

फर्द अहकाम

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी आमेर जिला जयपुर

सरत बनाम नातगा

११/१०/१२

प्रतिपद

क आशा या अन्यथाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
-------------------	----------------------	-------------

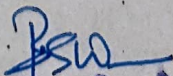
दि ०५/१०/१२ को पत्रावली पेश हुई।  
 ..... को पत्रावली पेश की गई।  
 जज के कार्य, अप्रतिपद कार्यवाही बही  
 थी जो अभी भी जारी अन्य कार्य में  
 व्यस्त है। अब पत्रावली पुर्नानुसार  
 दिनांक ०५/१०/१२ को पेश हो।

०५/१०/२०१५

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता/अनुपस्थित।  
 अप्रार्थी अधिवक्ता/अनुपस्थित।

प्रार्थी अधिवक्ता की शरणपत्रिका  
 वसुध सुनी गयी। पत्रावली का अवलोकन  
 किया गया।

माननीय न्यायालय (अप्रतिपद)  
 अप्रीम प्रार्थित। जयपुर के अप्रीम पत्रा  
 ३६०/२०१३ मदन १/९ सिंह विनय  
 निवेदन ०८/१०/२०१३ के अनुमा  
 प्रत्यक्षिक द्वारा प्रस्तुत विमान के इले  
 में अंतिम १३३ जारी हो जाने पर न्यायिक  
 में अप्रीमार्थी द्वारा प्रस्तुत अधीनस्थ न्यायालय  
 के समक्ष विनाराहीन शके में अंतिम निर्णय  
 होने तक प्रत्यक्षिक वाइगुमर अमि का  
 क्र. ४२२२, ४२३०, ४२३१, ४२३२ क  
 ४२३३ पर मारे की थाराइति बनाये रखेगा  
 आदेश सुनाया गया। पत्रावली कमल कुमार  
 द्वारा उर्व नकर से कम हो।

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 आमेर, जिला- जयपुर